मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 437
02.02.2026 को उत्तर के लिए

स्मॉग टॉवर का कार्य निष्पादन

437. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी:
श्री अरुण गोविल:

क्या **पर्यावरण, वन और तलवायु परिवर्तन** मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वायु प्रदूषण को कम करने के लिए हाल ही में दिल्ली में एयर प्यूरीफायर और स्मॉग टॉवर स्थापित किए गए थे और क्या यह रिपोर्ट है कि एक स्मॉग टॉवर छह लाख घन मीटर हवा को शुद्ध करने में सक्षम है और संबंधित क्षेत्र में प्रदूषण को 75 प्रतिशत तक कम कर देता हैं ;

(ख) स्मॉग टॉवर के निर्माण और संचालन की कुल लागत कितनी है और क्या उक्त टॉवरों की कार्यप्रणाली पर कोई अध्ययन किया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और उसके परिणाम क्या हैं; और

(घ) क्या इसके परिणाम अनुकूल रहे हैं और यदि हां, तो मेरठ-हापुड़ लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि पर्यावरण और प्रदूषण के दृष्टिगत मेरठ देश के सबसे प्रदूषित शहरों में गिना जाता है, स्मॉग टॉवर की स्थापना की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ): केंद्र सरकार द्वारा आनंद विहार, दिल्ली में एक स्मॉग टॉवर स्थापित किया गया था। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) ने सूचित किया है कि कनॉट प्लेस में एक और स्मॉग टॉवर स्थापित किया गया है।

आनंद विहार में स्थापित किए गए स्मॉग टावर का निर्माण 13.59 करोड़ रुपये की पूंजी लागत पर किया गया था, और इसके संचालन के लिए प्रति माह 10.27 लाख रुपये का खर्च आता है। इसके

अलावा, कनॉट प्लेस में स्थापित स्मॉग टावर की पूंजी लागत 22 करोड़ रुपये है, जिसका परिचालन लागत 2 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है।

आईआईटी दिल्ली के सहयोग से आईआईटी बॉम्बे द्वारा आनंद विहार और कनॉट प्लेस स्थित स्थापित स्मोग टावरों के कामकाज पर प्रदर्शन आकलन अध्ययन किया गया था। यह जानकारी दी गई है कि आनंद विहार और कनॉट प्लेस स्थित स्मॉग टावरों से 400 मीटर के दायरे में पीएम2.5 और पीएम10 के स्तर में क्रमशः 20% और 13% की कमी दर्ज हुई है।

मेरठ शहर को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शामिल किया गया है और इसे वायु गुणवत्ता प्रदर्शन से जुड़े अनुदान के रूप में मिलियन-प्लस सिटी चैलेंज फंड के तहत वित्त पोषित किया गया है। शहरी स्थानीय निकाय और विकास प्राधिकरणों द्वारा वायु गुणवत्ता सुधार उपायों के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण वित्त पोषण के रूप में मेरठ शहर को 187.99 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है।

एनसीएपी के तहत किए गए हस्तक्षेपों के परिणामस्वरूप, मेरठ शहर में वर्ष 2025 में 277 अच्छे दिन (एक्यूआई 200 से कम) थे, जबकि 2022 में 203 अच्छे दिन थे। इसके अलावा, मेरठ शहर में वित्त वर्ष 2017-18 (159 माइक्रोग्राम/मीटर^3) की तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 (133 माइक्रोग्राम/मीटर^3) में वार्षिक औसत पीएम10 सांद्रता में 16.4% की कमी हुई है।

*****